02-03-2023

मीथेन ग्लोबल ट्रैकर रिपोर्ट 2023

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने 2023 में वार्षिक मीथेन ग्लोबल ट्रैकर रिपोर्ट जारी की है।

त्वरित मुद्दा?

- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) की वार्षिक मीथेन ग्लोबल ट्रैकर रिपोर्ट के अनुसार, जीवाश्म ईंधन कंपनियों ने 2022 में वातावरण में 120 मिलियन मीट्रिक टन मीथेन का उत्सर्जन किया, जो 2019 में देखे गए रिकॉर्ड उच्च स्तर से थोड़ा ही कम है।

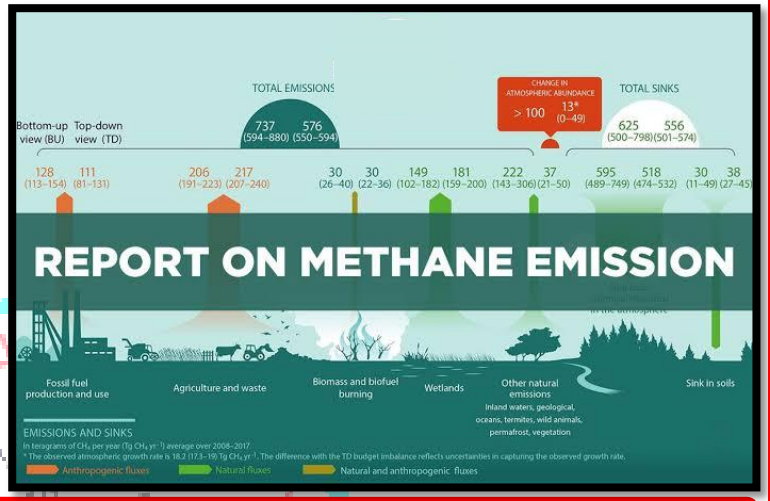

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- इसमें कहा गया है कि इन कंपनियों ने रिसाव वाले बुनियादी ढांचे को खोजने और ठीक करने की उनकी प्रतिज्ञा के बावजूद उत्सर्जन को रोकने के लिए लगभग कुछ भी नहीं किया है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि सस्ती और आसानी से उपलब्ध तकनीक की मदद से ऊर्जा क्षेत्र से होने वाले मीथेन उत्सर्जन में 75 फीसदी की कमी की जा सकती है। इस तरह के उपायों के कार्यान्वयन में 2022 में तेल और गैस उद्योग द्वारा प्राप्त शुद्ध आय का तीन प्रतिशत से भी कम खर्च होगा, लेकिन जीवाश्म ईंधन कंपनियां इस मुद्दे के संबंध में कोई ठोस कार्रवाई करने में विफल रहीं।
- रिपोर्ट के अनुसार, शेल, बीपी, एक्सॉनमोबिल और अन्य प्रमुख ऊर्जा दिग्गज कंपनियों ने पिछले साल रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान तेल

अन्य प्रमुख तथ्य?

कैसे मीथेन उत्सर्जन जलवायु परिवर्तन को प्रभावित करता है?

- मीथेन एक ग्रीनहाउस गैस है, जो पूर्व-औद्योगिक समय से 30 प्रतिशत वार्मिंग के लिए जिम्मेदार है, जो कार्बन डाइऑक्साइड के बाद दूसरे स्थान पर है।
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की एक रिपोर्ट में पाया गया कि 20 साल की अवधि में, मीथेन कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में गर्म करने में 80 गुना अधिक शक्तिशाली है।
- हाल के वर्षों में, वैज्ञानिकों ने वातावरण में मीथेन की बढ़ती मात्रा के बारे में बार-बार चेतावनी दी है। पिछले साल, यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) ने कहा था कि मीथेन का वायुमंडलीय स्तर 2021 में 17 भाग प्रति बिलियन तक उछल गया, जिसने 2020 में पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।
- आईईए के मुताबिक 'कार्बन डाइऑक्साइड मीथेन की तुलना में अधिक समय तक वातावरण में रहता है, मीथेन वातावरण में गर्मी को बनाए रखने में लगभग 25 गुना अधिक शक्तिशाली है और जलवायु परिवर्तन की दर पर एक महत्वपूर्ण अल्पकालिक प्रभाव डालता है। '

और प्राकृतिक गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रिकॉर्ड मुनाफा दर्ज किया था।

- मानव गतिविधि से होने वाले कुल औसत मीथेन उत्सर्जन का लगभग 40 प्रतिशत 'ऊर्जा क्षेत्र' से होता है, क्योंकि तेल और प्राकृतिक गैस कंपनियां प्राकृतिक गैस के भड़कने या निकलने पर मीथेन को वातावरण में छोड़ने के लिए जानी जाती हैं।
- इसके अलावा ड्रिलिंग, निष्कर्षण और परिवहन प्रक्रिया के दौरान वाल्वों और अन्य उपकरणों से रिसाव के माध्यम से भी ग्रीनहाउस गैस निकलती है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि 260 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) से अधिक प्राकृतिक गैस (ज्यादातर मीथेन से बनी) आज विश्व स्तर पर फ्लेयरिंग और मीथेन लीक के माध्यम से बर्बाद हो जाती है। सही नीतियों और कार्यान्वयन से इसमें से 200 बीसीएम अतिरिक्त गैस को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है।
- तेल और गैस क्षेत्र में, रिसाव का पता लगाने और मरम्मत कार्यक्रमों और रिसाव वाले उपकरणों को अपग्रेड करने जैसे प्रसिद्ध उपायों को लागू करके उत्सर्जन को 75 प्रतिशत से अधिक कम किया जा सकता है।
- मीथेन लीकेज को रोकने के लिए उपलब्ध विकल्पों में से 80 प्रतिशत को जीवाश्म ईंधन उद्योग द्वारा 'शुद्ध शून्य लागत' पर लागू किया जा सकता है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि प्राकृतिक गैस के अपव्यय को 75 प्रतिशत कम करने से सदी के मध्य तक वैश्विक तापमान में लगभग 0.1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि कम हो सकती है।

भारत में हीट वेव

समाचार पत्रों में क्यों?

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के पूर्वानुमान के अनुसार, पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी भारत, मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान के साथ भीषण गर्मी की संभावना है।

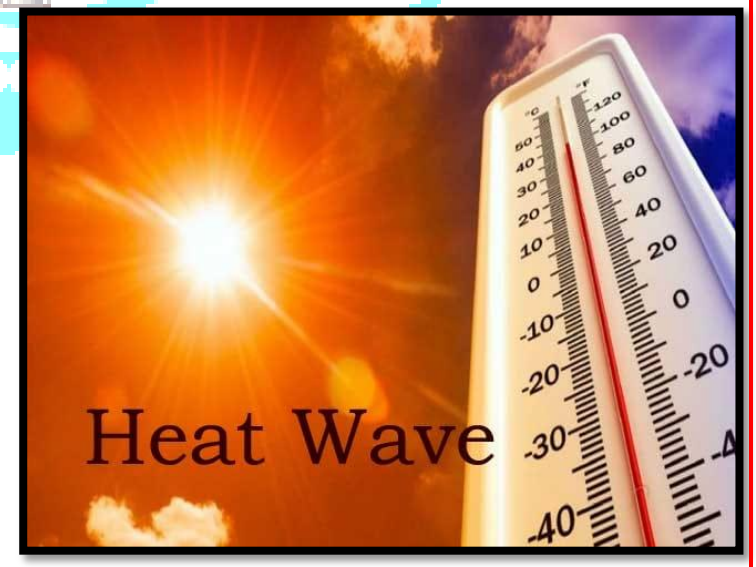

त्वरित मुद्दा?

- मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, केरल और तटीय कर्नाटक को छोड़कर, भारत के अधिकांश हिस्सों में मार्च-मई के दौरान हीट वेव चलने की संभावना है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- उत्तर-पश्चिम भारत, पश्चिम मध्य भारत और पूर्व तथा पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों के अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है।

- प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों, पूर्व मध्य भारत और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।
- फरवरी का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, उत्तर और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में तापमान 35-39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो वर्ष के इस समय के सामान्य तापमान से लगभग 3-5 डिग्री अधिक है।
- उच्च तापमान से गेहूं की पैदावार को खतरा है और IMD ने किसानों को या तो सिंचाई करने या नमी को संरक्षित करने के लिए मिट्टी का उपचार शुरू करने की सलाह दी है।
- हीट वेव असामान्य रूप से उच्च तापमान की वह स्थिति है, जिसमें तापमान सामान्य से अधिक रहता है।
- भारत में हीट वेव्स सामान्यत: मार्च-जून के बीच चलती हैं परन्तु कभी-कभी मौसमी दशाओं के कारण जुलाई तक विस्तारित हो जाती हैं।
- यह मुख्यतः देश के पश्चिमोत्तर भाग को प्रभावित करती है।
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मैदानी क्षेत्रों में 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक, तटीय क्षेत्रों के लिए 37 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक और पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान को हीट वेव के मानक के रूप में निर्धारित किया है।
- हीट वेव मानव गतिविधि के कारण होने वाले जलवायु परिवर्तन का परिणाम है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

हीट वेव का प्रभाव

- हीट वेव की अधिक आवृत्ति, तीव्रता और अवधि ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में सूखे की घटनाओं में वृद्धि की है।
  - इससे जल स्तर का क्रमिक ह्रास होता है।
- सूखा प्रवण नदियों ने कृषि और ऊर्जा सुरक्षा दोनों को प्रभावित किया है।
- सर्दियाँ जल्दी समाप्त होने के साथ, वनस्पतियाँ जल्द ही बढ़ने लगती हैं जबकि मिट्टी की नमी में कमी ने जंगल की आग को और अधिक संभावित बना दिया है।
- अत्यधिक तापमान और परिणामस्वरुप उत्पन्न वायुमंडलीय स्थितियां लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं।

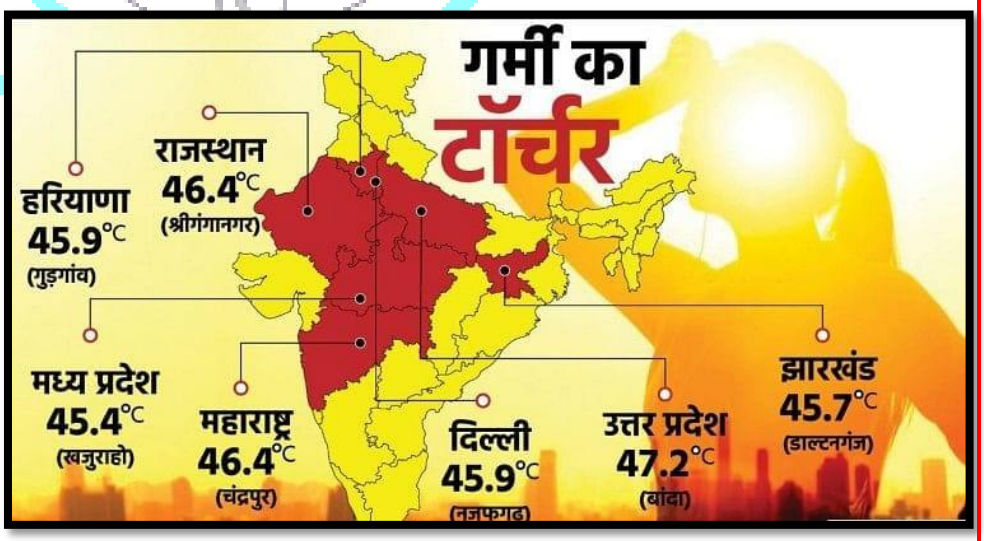

- हीट वेव बड़े पैमाने पर वायुमंडलीय परिसंचरण विसंगतियों जैसे उच्च दबाव वाले क्षेत्रों, ऊपरी-क्षोभमंडलीय जेट स्ट्रीम आदि के कारण उत्पन्न होती है।
- भारत में ताप तरंगों की आवृत्ति और लंबाई वैश्विक कारकों, जैसे अल नीनो/दक्षिणी दोलन (ENSO) इत्यादि द्वारा नियंत्रित होती है।

- स्थानीय कारक जैसे मिट्टी की नमी में कमी आदि हीट वेव के परिणामों को बढ़ा सकती है।
- शहरी ताप द्वीप प्रभाव के कारण भी तापमान, वास्तविक तापमान से 3 से 4 डिग्री अधिक गर्म महसूस हो सकता है।
- वैश्विक तापमान पहले ही 1°C से अधिक बढ़ चुका है, कुछ अध्ययनों से पता चला है कि तापमान में एक डिग्री की वृद्धि से देश में 40°C तापमान की संभावना दस गुना बढ़ जाती है।

न्यूज़ फटाफट

जयपुर घोषणा-पत्र

- हाल ही में, 18वीं UIC विश्व सुरक्षा कांग्रेस का आयोजन किया गया है। इसे रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवे (UIC) ने संयुक्त रूप से आयोजित किया है।
- इस कांग्रेस के दौरान 'जयपुर घोषणा पत्र को अपनाया गया है।
  - यह घोषणा–पत्र UIC के लिए कार्रवाई योग्य एजेंडे की रूपरेखा तैयार करता है। यह एजेंडा ऐसे अभिनव दृष्टिकोणों का पता लगाएगा, जो वैश्विक रेलवे संगठनों को रक्षा और सुरक्षा के उनके दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेंगे।
  - इस घोषणा–पत्र ने दुनिया भर में सुरक्षित और सकुशल रेल नेटवर्क स्थापित करने की UIC की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया है। इस प्रतिबद्धता की पूर्ति 2025 तक एशिया-प्रशांत, लैटिन अमेरिका और अफ्रीकी क्षेत्रीय असेंबलियों को सक्रिय करके की जाएगी।
- UIC का मुख्यालय पेरिस में है। यह रेल परिवहन से जुड़े अनुसंधान, विकास और संवर्धन के लिए रेलवे क्षेत्रक का प्रतिनिधित्व करने वाला विश्व-स्तरीय पेशेवर संघ है।

फ्रेडी चक्रवात

- यह एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात है, जो हाल ही में मेडागास्कर और मोजाम्बिक के तट से टकराया है।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवात एक तीव्र घूर्णन गति वाला तूफान होता है। यह उष्णकटिबंधीय महासागरों से उत्पन्न होता है और विकसित होने के लिए यहीं से ऊर्जा प्राप्त करता है।
  - इसके केंद्र में कम दाब होता है। इसमें बादल चक्रवात की आँख के चारों ओर नेत्रभित्ति (eyewall) की ओर सर्पिल परिसंचरण में गति करते हैं।

विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2023 संपन्न हुआ

- यह शिखर सम्मेलन एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी / TERI) का वार्षिक प्रमुख बहु - हितधारक आयोजन है।
- टेरी अनुसंधान, नीति, परामर्श और कार्यान्वयन में विशेषज्ञता वाला एक स्वतंत्र तथा बहु-आयामी संगठन है।
- यह ग्लोबल साउथ में स्वतंत्र रूप से आयोजित होने वाले सम्मेलनों में से एक है। यह विश्व के नेताओं, विचारकों, वैज्ञानिकों, उद्योग जगत आदि को एक मंच पर एकजुट करता है, ताकि वे पृथ्वी के स्वास्थ्य के लिए दीर्घकालिक समाधान की दिशा में कार्य कर सकें।

- इस सम्मेलन में वित्त, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, संधारणीय उपभोग, समावेशी ऊर्जा संक्रमण जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (IP) सूचकांक

- अंतर्राष्ट्रीय IP सूचकांक में भारत 42वें स्थान पर है। इसे यू.एस. चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने जारी किया है।
- यह सूचकांक प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है। यह सूचकांक विश्व की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बौद्धिक संपदा (P) अधिकारों के संरक्षण का मूल्यांकन करता है। ये 55 देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 90 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।
  - इस सूचकांक में अमेरिका को शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है।
- **भारत के लिए प्रमुख निष्कर्ष:**
  - कॉपीराइट का उल्लंघन करने वाले कंटेंट के खिलाफ कानून प्रवर्तन में सुधार हुआ है। इसके अलावा, यह IP परिसंपत्तियों की बेहतर समझ और इसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक बेस्ट-इन-क्लास फ्रेमवर्क प्रदान करता है।
  - चिंताएं: IP अपीलीय बोर्ड (2021) का विघटन कर दिया गया है। न्यायपालिका के पास संसाधनों की कमी है, जबकि उस पर मामलों का बोझ अधिक है। इसके अतिरिक्त, बायोफार्मास्युटिकल IP अधिकारों की सुरक्षा के लिए सीमित फ्रेमवर्क मौजूद है।

इंडिया म्युनिसिपल बॉण्ड इंडेक्स (IBMX)

- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) ने भारत का पहला म्युनिसिपल बॉण्ड इंडेक्स - IBMX लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य नगर निगमों द्वारा जारी बॉण्ड्स के प्रदर्शन को ट्रैक करना है।
- म्युनिसिपल बॉण्ड मार्केट ने वर्ष 2017 से फंड जुटाने में तीन गुना वृद्धि दर्ज की है। वर्ष 2017 में 2,342 करोड़ रुपये जुटाए गए थे, जो वर्ष 2022 में बढ़कर 6,252 करोड़ रुपये हो गये थे।
- इस सूचकांक में 28 म्युनिसिपल बॉण्ड्स होंगे, जिन्हें 10 संगठनों ने जारी किया है।
- सूचकांक में बॉण्ड्स की AA श्रेणी की क्रेडिट रेटिंग है।

मालाबार ट्री टॉड

- मालाबार ट्री टॉड, मोल्लेम राष्ट्रीय उद्यान में देखा गया है।
  - मोल्लेम राष्ट्रीय उद्यान गोवा के संगेम तालुका में स्थित है। यह कर्नाटक की सीमा के निकट अवस्थित है।
  - इस उद्यान में कदम्ब राजवंश के शासनकाल के कई मंदिर भी हैं।
- मालाबार ट्री टॉड के बारे में
  - यह एक छोटे आकार वाली मेंढक प्रजाति है। यह पश्चिमी घाट के वनों में नम गड्ढों में पाई जाती है।

- ऐसा माना जाता है कि यह एकमात्र मेंढक है, जो ऊंची कैनोपी पर रहता है |
- IUCN संरक्षण स्थिति: एंडेंजर्ड।
- इसका उल्लेख भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) द्वारा जारी भारतीय उभयचरों की चेकलिस्ट में प्राप्त होता है।

संत सेवालाल महाराज

- केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने पहली बार बंजारा समुदाय के धर्मगुरु संत सेवालाल महाराज की जयंती को एक साल तक मनाने की घोषणा की है।
- उनका जन्म सन् 1739 में कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में हुआ था।
- वह बंजारा समुदाय के समाज सुधारक और आध्यात्मिक गुरु थे |
  - संपूर्ण भारत में फैले बंजारा समुदाय की आबादी लगभग 10-12 करोड़ है। यह एक घुमंतू समुदाय है। इन्हें अलग–अलग राज्यों में अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBCs) के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- उन्हें आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा का अच्छा ज्ञान था। इस ज्ञान की मदद से उन्होंने वनवासियों और घुमंतू जनजातियों के बीच प्रचलित मिथकों और अंधविश्वासों को समाप्त करने का प्रयास किया था।
- व्यक्तिगत मूल्य: करुणा, निस्वार्थता और उद्देश्यपूर्णता।

मिशन शक्ति

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को मिशन शक्ति की वर्तमान स्थिति पर रिकॉर्ड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।
- मिशन शक्ति मिशन मोड में संचालित एक योजना है। इसका उद्देश्य महिला सुरक्षा, रक्षा और सशक्तीकरण के लिए किए जाने वाले उपायों को मजबूत करना है।
- इसे केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय ने 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए लॉन्च किया है। • इसकी दो उप-योजनाएं हैं- 'संबल' और 'सामर्थ्य'।
- 'संबल' महिलाओं की रक्षा और सुरक्षा के लिए है। इसमें वन स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आदि पूर्ववर्ती योजनाएं शामिल हैं।
- 'सामर्थ्य' महिलाओं के सशक्तीकरण से संबंधित है। इसमें उज्ज्वला, स्वाधार गृह जैसी पूर्ववर्ती योजनाएं शामिल हैं।

सियांग यूनिइंग त्योहार

- सियांग यूनिइंग उत्सव 'आदि समुदाय' का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह त्योहार अरुणाचल प्रदेश के बोलेंग में मनाया जाता है।
  - यह त्योहार आदि समुदाय के नए साल की शुरुआत यानी वसंत ऋतु के आगमन और समुदाय के बीच बंधन को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है।

- आदि एक प्रमुख जनजातीय समूह है। यह समुदाय लोअर दिबांग वैली जिले के निचले हिस्से में विशेष रूप से रोइंग और डम्बुक क्षेत्रों में रहता है।
    - आदि समुदाय निर्वाह के लिए मूल रूप से कृषि पर निर्भर है। ये आर्द्र चावल की खेती और झूम खेती, दोनों प्रकार की कृषि करते हैं।
    - पदम, मिलंग, कोमकर, मिनयोंग और पासी सामूहिक रूप से स्वयं को आदि समुदाय अर्थात् पहाड़ी लोग बुलाते हैं।

KAUTILYA ACADEMY INDORE